Dr. Girija varun
Associat professor
Depatt of psychology
Rohtas mahila college, Sasaram

Date: / /
Page No.:

B.A. part - II paper III Group A

सर्वेक्षण रिपोर्ट की विषय-वस्तु (Contents of Survey Report)

रिपोर्ट की अन्तर वस्तु अथवा विभिन्न अनुक्रमों का यही अभिप्राय है कि प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट में सर्वेक्षण के किन-2 पहलुओं का उल्लेख होना चाहिए यद्यपि इस विषय में सभी विद्वान एक मत नहीं हैं तथापि कुछ ऐसी बातें हैं जिनका प्रत्येक सर्वेक्षण रिपोर्ट में उल्लेख किया जाता है। प्रधानतया सर्वेक्षण की रिपोर्ट प्रस्तुत करते समय निम्नलिखित बातों का उसमें उल्लेख होना आवश्यक है :-

(1) सर्वेक्षण का उद्देश्य :- सर्वेक्षण की रिपोर्ट तैयार करते समय अनुसंधानकर्ता को पहले सर्वेक्षण के उद्देश्य का उल्लेख करना होता है तथा साथ-2 वह यह भी स्पष्ट करता है कि सर्वेक्षण के परिणामों से किस प्रकार अपने उद्देश्य की पूर्ति करेगा। इस

प्रकार रिपोर्ट में सर्वेक्षण के उद्देश्यों का विवरण दिया जाना चाहिए।

(2) सर्वेक्षण का विषय :- सर्वेक्षण की रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए कि किस विषय का सर्वेक्षण किया गया है। जिसका सर्वेक्षण किया गया है उस भौगोलिक प्रदेश अथवा वर्ग का बिल्कुल सही विवरण रिपोर्ट में देना चाहिए। सर्वेक्षण के अन्तर्गत आया हुआ विषय क्या कोई संस्था, समाज अथवा विशिष्ट भौगोलिक प्रदेश में निवास करने वाला समूह है। जो भी हो विषय का पूर्ण सही विवरण रिपोर्ट में होना चाहिए। सर्वेक्षण के अन्तर्गत आने वाली वस्तु का सूक्ष्म या काल्पनिक विवरण नहीं देना चाहिए। इसके साथ-2 विषय के महत्व एवं उपयोगिता का भी संक्षेप में उल्लेख करना चाहिए। जिसके कारण इस विषय को सर्वेक्षण का आधार बनाया है।

(3) सूचना की प्रकृति :- सर्वेक्षण की रिपोर्ट में यह भी पर्याप्त विस्तार से लिखना चाहिए कि संग्रहित सूचनाएँ किस प्रकार की है। इसके साथ-2 इस बात का भी विवरण होना चाहिए कि उद्देश्य एवं विषय से संबंधित किस-2 विषय के बारे में सूचना प्राप्त की गयी है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए अनुसूची अथवा प्रश्नावली एवं सर्वेक्षण काल में उपयोग किये जाने वाले कि दोनों की एक-2 प्रति रिपोर्ट के साथ संलग्न कर देनी चाहिए। इसके द्वारा संग्रहित सूचनाओं के विभिन्न पहलू एवं पद स्पष्ट हो जायेंगे।

(4) अध्ययन का क्षेत्र :- रिपोर्ट तैयार करते समय अध्ययन की सीमाओं को भी स्पष्ट कर देना आवश्यक है। इसके द्वारा पाठक

Scanned with CamScanner

को तो सुविधा होगी ही लेकिन अनुसंधानकर्ता भी आलोचना से बच जायगा। अतः अध्ययन की सीमा स्पष्ट कर देना भी उपयुक्त रहता है। ऐसा होने पर पाठक समस्या को निश्चित सीमाओं में ही समझने का प्रयास करेगा।

(5) भविष्य के अनुसंधान के लिए सुझाव :- रिपोर्ट में यद्यपि विषय क्षेत्र पर प्रकाश डालना प्रमुख कार्य है तथापि अध्ययन का निष्कर्ष देने के ~~के~~ पश्चात भविष्य के अनुसंधान का सुझाव भी प्रस्तुत करना चाहिए। अध्ययन के द्वारा कई ऐसी अछूती समस्याओं का पता चलता है जिन पर अनुसंधान की आवश्यकता होती है। रिपोर्ट में ऐसी समस्याओं की ओर संकेत करना ~~आवश्यक~~ आवश्यक है।

(6) समयावधि :- सर्वेक्षण की रिपोर्ट में इस बात का भी विवरण देना आवश्यक है कि जो तथ्य एकत्रित किये गये हैं वे किस समय से संबंधित हैं। इसके साथ-2 यह भी दिखाना चाहिए कि क्षेत्र के कार्य सम्पन्न करने में कितना समय व्यतीत हुआ है।

(7) पृथक अथवा पुनरावृत्ति :- रिपोर्ट में इस बात को भी स्पष्ट करना चाहिए कि जो सर्वेक्षण किया गया है, वह विषय का स्वतन्त्र पृथक (Isolated) एवं नवीन अध्ययन है अथवा उसी प्रकार के कई अध्ययनों की श्रेणी में से एक अध्ययन है। नवीन अध्ययन का अभिप्राय यह है कि किये गये सर्वेक्षण में किसी सर्वेक्षण की पुनरावृत्ति (repetition) की धारणा तो नहीं थी।

(8.) निदर्शन अथवा समग्र सर्वेक्षण : रिपोर्ट में यह स्पष्ट करना चाहिए कि सर्वेक्षण में निदर्शन प्रणाली का आधार लिया गया है अथवा सम्पूर्ण समग्र का ही सर्वेक्षण किया गया है, यदि सर्वेक्षण निदर्शन प्रणाली के प्रयोग के द्वारा

Scanned with CamScanner